पाठ - 12

'लोकगीत'

प्र01 लोकगीत अपनी लोच, ताजगी, और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है। लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं। घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं ये । इनके लिए साधना की जरूरत नहीं होती। त्योहारों और विशेष-विशेष अवसरों पर ये गाए जाते हैं। सदा से ये गाए जाते रहे हैं और इनके रचने वाले भी अधिकतर गाँव के लोग ही हैं। स्त्रियों ने भी इनकी रचना में विशेष भाग लिया है। ये गीत बाजों की मदद के बिना ही या साधारण ढोलक, झाँझ करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाए जाते हैं।

क) लोकगीत शास्त्रीय संगीत से किन कारणों से भिन्न हैं ?

उत्तर .....

ख) लोक गीत कब गाए जाते हैं ?

उत्तर .....

ग) लोग गीतों को रचने वाले अधिकतर लोग कौन हैं ?

उत्तर .....

घ) गद्यांश में दिये वाद्य यन्त्रों के नाम लिखिए ?

उत्तर .....

प्र02 किस स्थान पर कौन सा लोक गीत गाया जाता है।

स्थान	लोकगीत
उत्तर प्रदेश के पूरवी व विहार के पश्चिमी जिलों में	चैता, कजरी, बारहमासा, सावन, आदि
बंगाल	
पंजाब	
राजस्थान	
बुन्देलखण्ड	

प्र03 क) चन्देल राजाओं के राजकवि का क्या नाम है ?

उत्तर .....

egyanarchive

ख) मैथिल कोकिल कवि किसे कहा जाता है ?

उत्तर .....

ग) किस महाकवि की रचनाओ में सोहर, बानी, सेहरा आदि लोकगीतों का हवाला मिलता है ?

उत्तर .....

घ) बिदेसिया किस भाषा का लोकगीत है ?

उत्तर .....

प्र04 पाठ में दिये गये रागों के नाम लिखकर पूरा करो ?

1) | | लू |

2) | सा | | |

3) | | र्गा |

4) | | व | |

5) | सो | |

प्र05 लोक-साहित्य, लोक-संगीत, लोक-कला, लोकगीत की भाँति शास्त्रीय शब्द जोड़कर शब्द बनायें।

उत्तर क) शास्त्रीय –

ख) शास्त्रीय –

ग) शास्त्रीय –

घ) शास्त्रीय –

प्र06 अपने पसन्दीदा किसी लोक गीत की दो पंक्तियाँ लिखिए ?

उत्तर .....

.....

.....

egyanarchive